+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

पंजाब में 50% मवेशियों को एलएसडी का टीका लगाया गया

पंजाब पशुपालन विभाग ने गांठदार त्वचा रोग (एलएसडी) के खिलाफ अपने बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान में महत्वपूर्ण प्रगति की है, केवल 17 दिनों में राज्य के लगभग 50% मवेशियों का टीकाकरण किया गया है।

मंत्री गुरुमीत सिंह खुडियान ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 25 फरवरी को शुरू हुए इस अभियान में मवेशियों को इस घातक बीमारी से बचाने के लिए बूस्टर के रूप में तीसरी बार बकरी पॉक्स वैक्सीन का प्रबंध करना शामिल है। एलएसडी, एक वायरल और संक्रामक बीमारी, बुखार और त्वचा की गांठों के साथ प्रकट होती है, जो अक्सर घातक साबित होती है।

पंजाब में सभी 25 लाख मवेशियों को टीका लगाने के लक्ष्य के साथ, 12.49 लाख पहले ही टीका प्राप्त कर चुके हैं। खुडियन ने अधिकारियों से एलएसडी के प्रसार को रोकने और मवेशियों को इसके घातक प्रभाव से बचाने में अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए 16 अप्रैल तक पूर्ण टीकाकरण प्राप्त करने के प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया।

केरल के मंत्री ने पुरस्कारों के साथ डेयरी क्षेत्र में उत्कृष्टता को मान्यता दी

पशुपालन और डेयरी विकास मंत्री श्री जे चिंचुरानी ने मिल्मा के तिरुवनंतपुरम क्षेत्रीय सहकारी दूध उत्पादक संघ (टीआरसीएमपीयू) द्वारा आयोजित अनुकरणीय डेयरी सहकारी समितियों और किसानों को शीर्ष सम्मान से सम्मानित किया।

सफल आनंद पैटर्न के अनुरूप, पुरस्कारों का उद्देश्य डेयरी क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देना है। तिरुवनंतपुरम में उचक्कडा क्षीरा उल्पदाका सहकारी समिति (केयूसीएस) सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति के रूप में उभरी। अन्य जिलों में, कोट्टारा केयूसीएस (कोल्लम), वल्लिकुन्नम केयूसीएस (अलाप्पुझा), और वेचूचिरा केयूसीएस (पठानमथिट्टा) की भी सराहना की गई।

उचाकड़ा केयूसीएस के साजू जेएस को सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान के रूप में सम्मानित किया गया, जबकि वल्लिकुन्नम केयूसीएस की वलसाला ने महिला वर्ग का पुरस्कार हासिल किया।

पंजाब के मंत्री ने GADVASU के पशुधन उत्कृष्टता कार्यक्रम का उद्घाटन किया

गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु पालन मेले की शुरुआत पंजाब के कृषि, किसान कल्याण, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन के कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां द्वारा उद्घाटन के साथ हुई। विश्व पशु चिकित्सा पोल्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जीतेंद्र वर्मा ने सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

थीम 'पशुअन विच देसी उपचार, घाट लागत वध पैदावार' (कम लागत और अधिक लाभ वाले जानवरों के लिए घरेलू उपचार), दो दिवसीय कार्यक्रम ने हितधारकों को पशुधन क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान, प्रौद्योगिकियों और योजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट पशुपालकों को मुख्यमंत्री की प्रशंसा से भी सम्मानित किया, जिनमें भैंस पालन के लिए दलजीत कौर तूर और मछली पालन के लिए रूपिंदर पाल सिंह शामिल हैं, जिन्होंने उनकी नवीन प्रथाओं और योगदान पर जोर दिया।

गुजरात की डेयरी सहकारी समितियां गोबर से बायोसीएनजी और उर्वरक उत्पादन में अग्रणी हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ रही है

गुजरात की डेयरी सहकारी समितियां गोबर को बायोसीएनजी और उर्वरक में परिवर्तित करके किसानों की आय बढ़ाने के लिए इसके उपयोग में अग्रणी हैं। बनासकांठा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ ने गोबर पर आधारित भारत का पहला और एकमात्र गैस-फिलिंग स्टेशन स्थापित किया है, जो प्रतिदिन 40 टन गोबर से उत्पन्न 550-600 किलोग्राम बायोसीएनजी बेचता है। इस प्रक्रिया में एक सीलबंद पोत रिएक्टर में गोबर का अवायवीय पाचन शामिल है, जिससे बायोगैस का उत्पादन होता है जिसे बायोसीएनजी में शुद्ध किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, पाचन प्रक्रिया से प्राप्त अवशेषों का उपयोग जैव-उर्वरक के उत्पादन के लिए किया जाता है, जिसे बायोसीएनजी के साथ बेचा जाता है। यह पहल न केवल किसानों के लिए आय का एक वैकल्पिक स्रोत प्रदान करती है बल्कि डेयरी उद्योग में स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को भी बढ़ावा देती है।

बनासकांठा संघ वर्तमान में प्रतिदिन 8,000-10,000 किलोग्राम जैव-उर्वरक का विपणन कर रहा है, जिसका राजस्व बायोसीएनजी की बिक्री से अधिक है। उन्होंने सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के निवेश से 2025 तक चार और 100 टन क्षमता वाले गोबर आधारित बायोसीएनजी संयंत्र चालू करने की योजना बनाई है।

गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने जिले में गोबर की प्रचुर उपलब्धता को देखते हुए मॉडल की प्रतिकृति और मापनीयता पर प्रकाश डाला।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने राज्य की योजनाओं से पशुपालकों को सशक्त बनाया

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सर्वे ऑफ इंडिया स्टेडियम, हाथीबड़कला, देहरादून में एक कार्यक्रम में राज्य पशुधन मिशन योजना के तहत लाभार्थियों को चेक वितरित किए। उन्होंने किसानों के कल्याण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए आंचल ब्रांड के तहत आंचल शहद और आंचल इनामी योजना भी शुरू की।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में, राज्य सरकार का लक्ष्य दो वर्षों के भीतर 4500 डेयरी पशु और मुर्गी पालन इकाइयां स्थापित करना, पारिवारिक पोषण और आजीविका सुरक्षा में सहायता करना और दूरदराज के क्षेत्रों से प्रवासन पर अंकुश लगाना है। अग्रणी पहलों में बकरी घाटी योजना शामिल है, जिससे 1500 लाभार्थियों को लाभ मिलता है, और पोल्ट्री वैली और ब्रॉयलर फार्म, जो दस जिलों में 4000 पोल्ट्री किसानों को सहायता प्रदान करता है। उत्तराखंड में शुरू की गई राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन योजना ने मोबाइल इकाइयों के माध्यम से पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करते हुए राज्य के 95% पशुधन को पंजीकृत किया है।

सीएम धामी ने राष्ट्रीय विकास में किसानों और पशुपालकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भरारीसैंण में बद्री गाय प्रशिक्षण केंद्र खोलने और दूध की दरों में एक रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की घोषणा की. राज्य पशुधन मिशन योजना का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और स्वरोजगार के अवसर पैदा करना है।

सीएम धामी ने किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया, रोजगार सृजन और पशुपालकों को प्रदान की जाने वाली पशु चिकित्सा सेवाओं पर प्रकाश डाला

ग्रामीण विकास मंत्रालय और बीएफआईएल ग्रामीण पशुधन और डेयरी क्षेत्रों में आजीविका बढ़ाने के लिए एकजुट हुए

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार (जीओआई) और भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड (बीएफआईएल) ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के तहत ग्रामीण पशुधन और डेयरी क्षेत्रों में आजीविका हस्तक्षेप बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।) एक गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से।

नई दिल्ली में हस्ताक्षर समारोह के दौरान, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव चरणजीत सिंह और बीएफआईएल के कार्यकारी उपाध्यक्ष जे श्रीधरन ने घरेलू आय बढ़ाने और पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने ठोस परिणामों के साथ संतृप्ति दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर जोर दिया।

एमओयू के ढांचे के तहत, पशुधन और बाजार लिंकेज में विशेषज्ञता वाली केंद्रीकृत और राज्य स्तरीय परियोजना निगरानी इकाइयों (पीएमयू) की स्थापना को प्राथमिकता दी गई है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु और बिहार में स्थापित की जाने वाली इन इकाइयों में प्रत्येक राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विशेषज्ञ शामिल होंगे। बीएफआईएल पशुओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए अंतिम छोर तक विस्तार करने वाले कार्यकर्ताओं, पशु सखियों की भूमिका को भी सुदृढ़ करेगा।

गुरुग्राम ने पशु स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ाने के लिए मवेशी एम्बुलेंस वैन की शुरुआत की

मवेशियों के लिए चिकित्सा सेवाओं में सुधार के लिए, गुरुग्राम के उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने लघु सचिवालय परिसर में पशुपालन और डेयरी विकास विभाग की दो मोबाइल एम्बुलेंस वैन को हरी झंडी दिखाई। इन वैनों का लक्ष्य जिले के सोहना और पटौदी उपमंडलों में चरवाहों की सहायता करना है।

एम्बुलेंस जानवरों के लिए कृत्रिम गर्भाधान, प्रयोगशाला परीक्षण और प्रतिरक्षा मूल्यांकन जैसी सेवाएं प्रदान करेंगी। यह पहल मवेशियों के लिए घर तक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। ये मोबाइल इकाइयां पूरे क्षेत्र में जरूरतमंद मवेशियों को त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

राज्य सरकार द्वारा पिछले महीने खरीदी गई कुल 70 एम्बुलेंस पशुपालन विभाग को 11.20 करोड़ रुपये की लागत से आवंटित की गईं। इनमें से दो एम्बुलेंस वैन गुरुग्राम कार्यालय को प्राप्त हुईं। पशुपालन विभाग के उप निदेशक डॉ. वीरेंद्र सहरावत ने बताया कि वैन टोल-फ्री हेल्पलाइन 1962 के माध्यम से संचालित होंगी।

मवेशी एम्बुलेंस वैन की शुरूआत गुरुग्राम में पशु स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण को बढ़ाने, कृषि समुदाय की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने और पशुधन की भलाई को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक है।

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives

NGO's/CSR Foundations

Dairy Farmers

Students

Professional

www.cedsi.in @cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी